



DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY

Kargi Road, Kota, Dist.-Banspur (C.G), Ph. : +91-7753-253801
Fax : 07752-253728, email : info@cvru.ac.in
visit us at : www.cvru.ac.in

क्र.216/कु.स./सी.वी.आर.यू./2016

बिलासपुर, दिनांक : 02.11.16

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :- डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय का माह अक्टूबर – 2016 का
मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय द्वारा माह अक्टूबर –
2016 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,


कुलसचिव



डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :- अक्टूबर - 2016

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. वी. रामन् वि. वि., स्थापना वर्ष नवम्बर 2006.
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	<p>फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी</p> <p>बी. ई. (कम्प्यूटर साइंस)</p> <p>बी. ई. (इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी)</p> <p>बी. ई. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन)</p> <p>बी. ई. (इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स)</p> <p>बी. ई. (मेकनिकल)</p> <p>बी. ई. (सिविल)</p> <p>फैकल्टी ऑफ एजुकेशन</p> <p>बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.)</p> <p>मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.)</p> <p>मास्टर ऑफ फिलॉसॉफी</p> <p>(विभिन्न पाठ्यक्रमों में संचालित)</p> <p>फैकल्टी ऑफ कॉमर्स</p> <p>(बी. काम.)</p> <p>(एम. काम.)</p> <p>(एम.बी.ए.)</p> <p>फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी</p> <p>एम एस सी (आई टी) (मास्टर ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी)</p> <p>पीजीडीसीए (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन)</p> <p>बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन)</p> <p>डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन)</p> <p>फैकल्टी ऑफ आर्ट्स</p> <p>बी. ए. (बैचलर ऑफ आर्ट्स)</p> <p>एम. ए. (मास्टर ऑफ आर्ट्स)</p> <p>फैकल्टी ऑफ साइंस</p> <p>फैकल्टी ऑफ लॉ</p> <p>शोध पाठ्यक्रम</p> <p>दूरवर्ती शिक्षा के पाठ्यक्रम</p>
03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा	हाँ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक

	सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	इकाइयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं (मवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधायें।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त हैं।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं?	उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 24 विभाग संचालित हैं, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 24 विभाग संचालित हैं, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग में छात्र-छात्राओं की संख्या के आधार पर शिक्षकों एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है।
08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदण्डों के अनुरूप है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदण्डों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदण्डों के अनुरूप है, एवं छात्रों की संख्या के अनुसार है।
10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम/अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न इकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकादमिक काउंसिल का गठन किया गया है, जिसमें प्रबंध मंडल द्वारा समय-समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन

		कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। प्रबंध मंडल द्वारा समय-समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन/विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हाँ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 07.01.2014 को किया गया था। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।
12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र-छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग-अलग विभागों के लिये भवन, प्रयोशालाओं का निर्माण एवं उच्च कोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र-छात्राओं के लिये अध्ययन करने के लिये उच्च कोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की जा रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा युनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय-समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी।	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क	अध्यादेशों के अनुकूल ही शुल्क लिया

	<p>विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका औचित्य।</p>	<p>जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।</p>
<p>15</p> <p>क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?</p>	<p>विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी की सूची (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है।</p>	
<p>16</p> <p>विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।</p>	<p>— डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय एवं नवभारत द्वारा विचज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। स्पर्धा में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।</p> <p>— डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय अब बैगा आदिवासी विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा देकर वनांचल के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ेगा। इसके लिये विश्वविद्यालय, अचानकमार्ग टाईगर रिजर्व के छपरवा में अभ्यारण हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों के लिये कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जायेगा। बिजली के सुविधा विहीन क्षेत्र में जनरेटर के माध्यम से विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा दी जायेगी।</p> <p>— डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय एवं दैनिक भास्कर के संयुक्त तत्वाधान में विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों को सकारात्मक दीपावली मनाने के उद्देश्य से दीये बांटे गये। इसके अलावा दैनिक भास्कर कार्यालय एवं आयुर्वेद ग्राम लखराम में स्टाल लगाए दीये वितरित किये गये। इस तरह से शहर के लोगों को 30,000 से अधिक मिट्टी के दीये निःशुल्क बांटे गये।</p>	

		- सत्र 2016-17 की प्रवेश, शैक्षणिक गतिविधियों एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करना। नवीन पाठ्यक्रमों के अनुरूप संसाधनों का निर्माण करना।
17	विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकादमिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	- GAD के Circular में अभी तक विश्वविद्यालय का नाम समस्त विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।

[Handwritten Signature]
कुलसचिव